S.D.E.

F.Y.B.A. (2008 COURSE) : SUMMER - 2018
SUBJECT: HINDI (G-1)

Day : **Wednesday** | **S-2018-4084** | Time: **11.00 AM TO 02.00 PM**
Date : **02/05/2018** | Max. Marks: 80.

सूचनाएँ:

१) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
२) दोनों विभाग एकही उत्तरपत्रिका में लिखिए।
३) दाहिने ओर दिए हुए अंक प्रश्नों का गुण दर्शाते है।

विभाग-१

प्र.१ निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का परिचय दीजिए।
ब) काव्यशास्त्र के नामकरण की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।
क) काव्यशास्त्र के स्वरूप की परिभाषा दीजिए।
ड) काव्य के लक्षणों की समीक्षा कीजिए।

प्र.२ टिप्पणी लिखिए (कोई **चार**) (१६)

अ) काव्य-प्रयोजन
ब) विभन्न संप्रदाय
क) रस का स्वरूप
ड) शब्दशक्ति
इ) अनुप्रस अलंकार
फ) छंद का स्वरूप ।

विभाग-२

प्र.३ निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) काव्यशास्त्र के किन्हीं **दो** संप्रदाय का परिचय कीजिए।
(१) रीति (२) रस (३) ध्वनि (४) वक्रोक्ति ।
ब) किन्हीं **दो** अलंकार का परिचय दीजिए।
(१) श्लेष (२) यमक (३) उपमा (४) उत्पेक्षा ।
क) किन्हीं **दो** छंदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
(१) चौपाई (२) रोला (३) इंद्रवजा (४) सवैया ।
ड) किन्हीं **दो** काव्य प्रकारों की चर्चा कीजिए।
(१) गीति काव्य (२) महकाव्य (३) खंडकाव्य (४) चंपुकाव्य ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों में किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए। (१६)

अ) रस के अंगों का विवेचन कीजिए।
ब) औचित्य संप्रदाय का परिचय दीजिए।
क) असंगति अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
ड) तात्पर्य वृत्ति शब्दशक्ति को विशद कीजिए।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए (कोई **चार**) (१६)

अ) व्याज स्तुति
ब) अभिधा
क) अलंकार की भूमिका
ड) छंदो की उपयोगिता
इ) चरितकाव्य ।
फ) रस निष्पत्ति

* * *